एक किलोमीटर घटी गंगा पथ-वे की लंबाई

संवाददात ▸ पटना

पथ निर्माण मंत्री नंद किशोर यादव ने कहा कि गंगा पाथ-वे की लंबाई एक किलोमीटर घट कर 20.5 किलोमीटर रह गयी है. पहले इसकी लंबाई 21.5 किलोमीटर थी. जमीन अधिग्रहण की परेशानी को लेकर एलिवेटेड रोड अब लंबा बनेगा. एएन सिन्हा संस्थान से मालसलामी से आगे नुरूद्दीनघाट से पहले 200 मीटर तक एलिवेटेड रोड बनेगा. पहले एएन सिन्हा संस्थान से नौजर घाट तक एलिवेटेड रोड बनना था. गंगा पाथ-वे की बगल में जगह-जगह बस पड़ाव, यात्री शेड, मनोरंजन स्थल, अंडरपास आदि के निर्माण से 90 करोड़ लागत खर्च बढ़ गया है. 3160 करोड़ से लागत खर्च बढ़ कर अब 3250 करोड़ हो गया है. गंगा पाथ-वे का अभी मात्र 21 फीसदी काम हुआ है. जून, 2020 तक यह पूरा होगा. इससे पहले जून, 2018 तक कृष्णा घाट तक गंगा पाथ-वे चालू हो जायेगा. उन्होंने कहा कि नयी सरकार के गठन के बाद गंगा पाथ-वे के स्वरूप में परिवर्तन किया गया है. कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन पुल के पुराने एनएच-30 के पास उतरने के कारण अब गंगा पाथ-वे की कनेक्टिविटी वहां होने से एक किलोमीटर सड़क का निर्माण कम हो गया है. वहां अब आरओबी बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी. गंगा किनारे जाने के लिये 12 जगहों पर अंडरपास बनेगा, वहीं, आठ जगहों पर पैदल ओवरब्रिज बनेंगे. गंगा पाथ-वे में दो जगह बांसघाट व दीदारगंज के समीप टॉल प्लाजा बनेगा. बांध बना कर सड़क बनने के हिस्से में गंगा की तरफ पांच मीटर चौड़ा पैदल पथ बनेगा, जिस पर लोग भ्रमण कर सकेंगे. एलिवेटेड रोड अधिक लंबा होने से 115 एकड़ कम जमीन की आवश्यकता होगी. इसमें 32 एकड़ प्राइवेट जमीन है. इससे भू-अर्जन की राशि में लगभग 390 करोड़ की बचत होगी.

90 करोड़ बढ़ी लागत

गंगा घाट पहुंचने को बनेंगे 12 अंडरपास

सड़क किनारे बनेगा बस पड़ाव

यात्री शेड और मनोरंजन स्थल